तापमान
अधिकतम 44.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 22 मार्च 2026

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोड़ीउपरोड़ा

4 नए हाइड्रो पावर प्लांट के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति का इंतजार

खबर संक्षेप

एसपी ने 213 आरक्षकों का किया तबादला

कोरबा। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने शनिवार को जिले के 213 महिला और पुरुष आरक्षकों का तबादला किया है। एसपी श्री तिवारी ने जिला पुलिस बल के विभिन्न थाना-चौकी में सेवाएं दे रहे आरक्षकों की पदस्थापना में बड़ा फेरबदल किया है। कुल 213 आरक्षक और महिला आरक्षक इस फेरबदल से प्रभावित हुए हैं। पहली बार एक साथ इतनी बड़ी संख्या में आरक्षकों का तबादला किया गया है।

चैती छठ के लिए तैयारी में जुटा पूर्वांचल समाज

कोरबा। चैत्र महीने में भी छठ पूजा करने का विधान है। नगर और आसपास के क्षेत्र में इस पूजा को करने वाले श्रद्धालु उपलब्ध हैं जिन्होंने प्राथमिक तैयारी शुरू की है। सूर्य उपासना से जुड़े हुए इस पर्व को मुख्य रूप से कार्तिक महीने में मनाने का नियम है। इसके साथ क्षेत्र शुक्ल पक्ष में भी छठ पूजा की जाती है लेकिन लोगों की संख्या इसमें कम होती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड से वास्ता रखने वाला वर्ग इस पूजा को काफी महत्व देता है। समय के साथ दूसरे क्षेत्र के निवासियों ने भी इस पूजा के साथ खुद को जोडऩे की कोशिश की है। 22 मार्च को नहाए खाए के साथ यह चैती छठ शुरू होगा। 23 मार्च को कखरना और 24 मार्च को सूर्यास्त के समय प्रथम अघ्र्य दिया जाएगा। घाटों पर श्रद्धालुओं की उपस्थिति इस पर्व पर होगी। वह अगली सुबह उदित होते सूर्य को अरग देने के साथ इस पूजा को संपन्न करेंगे। पूजा को देखते हुए घाटों पर आवश्यक प्रबंध किए जा रहे हैं।

काम शुरु नहीं करने वाली ठेका फर्म नहीं हो रही ब्लैक लिस्टेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

अलग खबर

लगातार समीक्षा बैठक में कलेक्टर के द्वारा सड़क निर्माण ठेका लेकर काम शुरु नहीं करने वाले ठेकेदारों को ब्लेकलिस्टेड किए जाने के निर्देश के बाद भी ऐसे ठेकेदारों को विभाग के द्वारा ब्लेक लिस्टेड करने की कार्यवाही नहीं की जा रही है और केवल पत्र जारी कर काम शुरु करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। पीडब्ल्यूडी के द्वारा 22 सड़कों के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया गया है।

बारिश के पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएम जन मन एवं बड़े प्रमुख सड़कों के निर्माण के लिए लगातार कार्यों की समीक्षा की जा रही है। मैदानी स्तर का दौरा किया जा रहा है। उसके बावजूद ठेका फर्म काम शुरु करने के मामले में हिल हवाला बरत रही है। ऐसी सड़कों में चिर्रा-श्यांग 12 किलोमीटर सड़क प्रमुख रुप से शामिल है। जिनका निर्माण पीडब्ल्यूडी के द्वारा कराया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा अभी तक केवल मिट्टी डालने का कार्य किया गया है। पानी का छिड़काव नहीं किए जाने से आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी के छिड़काव के लिए भी कलेक्टर द्वारा विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इस सड़क के अलावा लेमरु-श्यांग सड़क का भी कलेक्टर कुणाल दुदावत ने निरीक्षण किया था। उक्त सड़क के भी मरम्मत और गड्ढों को भरने के निर्देश दिए गए हैं। उसके मरम्मत को लेकर तत्परता नहीं दिखाई गई। इसी तरह तीसरी सड़क कोरकोमा बताती मार्ग है जिसके चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। उक्त सड़क के चौड़ीकरण का कार्य भी धीमी गति से चल रहा है। इन प्रमुख सड़कों के निर्माण में लापरवाही बरतने वाली ठेका फर्मों को भी केवल चेतावनी दी गई है। इसी तरह कुदरीचिंगर बड़मार सड़क मार्ग का निर्माण दो दिन पूर्व स्वीकृत हुआ है जबकि इसकी स्वीकृति दो माह पूर्व मिल गई थी।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर लगातार दे रहे हैं निर्देश

खास बातें

- पीडब्ल्यूडी के द्वारा 22 सड़कों का जारी किया गया है टेंडर

पीएम जन मन सड़क का काम एनओसी के कारण अटका

प्रधानमंत्री जन मन सड़क का काम पिछड़ी संरक्षित जनजाति क्षेत्रों में स्वीकृत किए गए थे। कुल 27 सड़क इसके लिए चयनित की गई थी जिसमें से एक सड़क पाली ब्लॉक की शिवपुर ग्राम पंचायत की सड़क शामिल है। इसके अलावा शेष सड़कों का निर्माण कोरबा ब्लॉक के पहाड़ी क्षेत्रों में किया जाना था किंतु वन विभाग की एनओसी की वजह से निर्माण कार्य बंद पड़ा हुआ था। अब जाकर वन विभाग ने सड़क निर्माण के लिए एनओसी जारी की है।

डंगनई देवी दर्शन के लिए पहाड़ चढ़ रहे हैं दूरदराज के ग्रामीण, नवरात्रि में लगता है मेला

मान्यता : नहीं होती थी बारिश तो डंगनाई पहाड़ में रामायण गाते थे ग्रामीण

डंगनाई मंदिर जाने की सीढ़ी।

डंगनाई माता।

माता के दर्शन के लिए जाते श्रद्धालु।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले के ग्रामीण अंचलों के पहाड़ी क्षेत्रों में आस्था के ऐसे दीप जल रहे हैं जिसके पीछे ग्रामीणों की अपनी अपनी मान्यताएं हैं। ऐसी ही मान्यता वाले एक डंगनाई पहाड़ है। नोनबिर्रा मार्ग में डंगनाई पहाड़ पर विराजित मां डंगनाई देवी की आसपास क्षेत्र के लोगों में अपार आस्था है। पथरीले रास्तों में भी दूरदराज के दर्शनार्थी डंगनाई देवी की दर्शन के लिए डंगनाई पहाड़ चढ़ते हैं। एक मान्यता के अनुसार जब कभी मानसून के मौसम मे बारिश नहीं होती थी। आसपास के ग्रामीण पहाड़ में ही डंगनाई देवी के दरबार में रामायण गाते थे।

चैत्र नवरात्र के पर्व की ग्रामीण अंचलों में धूम मची हुई है। वातावरण में ठंडक होने के कारण दर्शनार्थियों की संख्या भी मंदिरों में उमड़ रही है। पहाड़ों में विराजित आदिशक्ति के दरबार में आस्था और विश्वास का संगम नजर आ रहा है। दुर्गम पहाड़ी रास्ते को पार कर भक्त आदिशक्ति के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। करतला विकासखंड के ग्रामीण अंचलों का आस्था का केंद्र डंगनाई पहाड़ है। जिसके प्रति सकदुकला, भेलवाटार, नोनबिर्रा सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के लोगों की असीम आस्था है। क्वांर और चैत्र की नवरात्रि में डंगनाई देवी के दरबार में 9 दिन तक आराधना का दौर चलता है। ग्रामीणों के अनुसार पहाड़ के एक स्थल पर एक छोटी प्रतिमा देवी की नजर आयी थी। तब से उनके पूर्वजों के समय से इसकी आस्था व आराधना की जा रही है। डंगनाई देवी दरबार के पुजारी पंचराम ने बताया कि उनके पूर्वजों के ⏭ शेष पेज 3 पर

पहले कांवर से ऊपर ले जाते थे पानी

पहाड़ के ऊपर पानी ले जाना एक कठिन कार्य था लेकिन डंगनाई देवी की आस्था के प्रति यादव परिवार के लोग कांवर में पानी लेकर पहाड़ के ऊपर जाते थे तब जाकर पहाड़ में पहुंचने वाले दर्शनार्थियों को पानी मिल पाता था। पिछले लंबे समय तक यही सिलसिला चलता रहा और बीते 3 वर्ष से पहाड़ के ऊपर पाइप लाइन के द्वारा नीचे खोदे गए बोर से पानी लाया जा रहा है।

दुर्गम पहाड़ी और अधूरी बनी है सीढ़ी

डंगनाई देवी पहाड़ के दुर्गम पहाड़ी रास्ते को सुगम बनाने के लिए 46 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे इस राशि से मंदिर स्थल तक सीढ़ी बनाने का काम करना था जो आधा अधूरा बना हुआ है। डंगनाई देवी दर्शन के लिए धरमजयगढ़, हाटी और खरसिया से दर्शनार्थी यहां पहुंचते हैं। हाटी से आए श्याम लाल ने बताया कि डंगनाई पहाड़ की प्रसृद्धि रायगढ़ जिले तक है। आसपास के छाल, रायगढ़, धरमजयगढ़ तक पहाड़ पर ऐसी देवी मंदिर और आस्था वाली देवी मंदिर नहीं है। वह पिछले 4 वर्षों से यहां नवरात्र में आ रहे हैं।

साइड नहीं देने पर चालक के साथ मारपीट, अस्पताल दाखिल

कोरबा। जिले के गेवरा खदान में बस चालक बहोरन सिंह के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना दीपका थाना क्षेत्र के ई एंड एम क्वारी सेक्रान स्थित कैंटीन के पास हुई, जहां मामूली विवाद को लेकर मारपीट हुई थी। बताया जा रहा है कि विवाद बस को साइड नहीं देने की बात को लेकर शुरू हुआ था। इसी दौरान डंपर ऑपरेटरों ने बहोरन सिंह के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित के मुताबिक, आरोपियों ने न सिर्फ लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा बल्कि जान से मारने की धमकी भी दी। उन्होंने धमकी देते हुए कहा कि दोबारा सामने आने पर वाहन चढ़ाकर हत्या कर देंगे और इसे हादसा बता दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही खदान प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहीं, घायल चालक को गंभीर हालत में एनसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। बहोरन की रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

सोना ही नहीं, ये विकल्प भी दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल तनाव ने वैश्विक वित्तीय बाजारों को अस्थिर कर दिया है। शेयर बाजारों में गिरावट, कच्चे तेल और कीमती धातुओं में तेजी और निवेशकों का सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख—ये सभी संकेत बताते हैं कि भू-राजनीतिक जोखिम फिलहाल बाजार की दिशा तय कर रहा है। ऊर्जा बाजार पर सबसे बड़ा असर पड़ा है। वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा जिस होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, वहां अनिश्चितता बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है। इसके साथ ही सोना और चांदी में भी तेज खरीदारी देखी गई है। खाड़ी क्षेत्र के हवाई मार्ग प्रभावित होने से दुबई और दोहा जैसे प्रमुख हवाईअड्डों पर परिचालन बाधित रहा, जिससे कारोबारी गतिविधियों पर भी असर पड़ा। विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले हफ्तों में बाजार में अस्थिरता बनी रह सकती है, लेकिन घबराहट में बड़े निवेश फैसले लेना समझदारी नहीं होगी।

मध्य पूर्व संकट के बीच ऐसे बनाएं निवेश की रणनीति

■

ईरान-इजराइल संघर्ष से वैश्विक बाजार अस्थिर हुए

■

कच्चे तेल, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल आया यूबीएस ने लंबी अवधि निवेश की सलाह दी

अस्थिर बाजार में कहां लगाएं पैसा

कीमती धातुएं
भू-राजनीतिक तनाव के दौरान सोना सुरक्षित निवेश माना जाता है। यूबीएस के मुताबिक कुल पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा (कुछ प्रतिशत) सोने में रखना जोखिम संतुलन में मदद कर सकता है।

ऊर्जा सेक्टर
तेल कीमतों में उछाल से ऊर्जा कंपनियों के शेयरों को फायदा मिल सकता है। हालांकि यह निवेश जोखिमपूर्ण हो सकता है, इसलिए चयन सावधानी से करें।

वैश्विक इक्विटी
अमेरिका, यूरोप, जापान, चीन और भारत जैसे बड़े बाजारों में विविध निवेश लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकता है।

क्वालिटी फिक्स्ड इनकम
उच्च गुणवत्ता वाले बॉन्ड और डेट फंड पोर्टफोलियो की अस्थिरता कम करने में मदद करते हैं।

एक्टिव कमोडिटी स्ट्रेटेजी
सक्रिय रूप से प्रबंधित कमोडिटी फंड बदलती परिस्थितियों में बेहतर अवसर पकड़ सकते हैं।

हेज फंड/वैकल्पिक निवेश
उच्च नेटवर्थ निवेशकों के लिए वैकल्पिक रणनीतियां जोखिम प्रबंधन में सहायक हो सकती हैं।

अगर तेल के दाम ऊंचे रहे तो?

तेल कीमतों में लंबी अवधि तक तेजी रहने से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर विचार कर सकते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में केंद्रीय बैंकों ने अस्थायी महंगाई झटकों पर सीमित प्रतिक्रिया देने का संकेत दिया है। यूबीएस का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें उपभोक्ताओं और कंपनियों पर अतिरिक्त लागत का बोझ डालती हैं, जो कर वृद्धि जैसा असर पैदा कर सकती हैं। लेकिन तेल बाजार आमतौर पर खुद को संतुलित कर लेते हैं कीमतें बढ़ने पर आपूर्ति भी बढ़ती है। यदि कीमतों में उछाल अस्थायी रहा तो आर्थिक विकास पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। लेकिन अगर तेल लंबे समय तक महंगा रहा, तो तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव बढ़ सकता है।

रणनीतिक धैर्य ही असली कुंजी

मध्य पूर्व में जारी तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, लेकिन इतिहास बताता है कि बाजार समय के साथ खुद को संभाल लेते हैं। ऐसे दौर में घबराहट में पोर्टफोलियो बदलने के बजाय संतुलन, विविधता और लंबी अवधि का नजरिया अपनाना ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। सोना-चांदी जैसे सुरक्षित विकल्पों के साथ-साथ वैश्विक इक्विटी, क्वालिटी डेट और वैकल्पिक निवेश को मिलाकर संतुलित रणनीति अपनाना समझदारी भरा कदम हो सकता है। निवेश का मूल मंत्र वही है अस्थिरता में अवसर तलाशें, लेकिन सोच-समझकर।

क्या करें निवेशक? घबराएं नहीं, रणनीति बदलें

यूबीएस ग्लोबल वेल्थ मैनेजमेंट के मुख्य निवेश अधिकारी मार्क हेफेले के अनुसार, इतिहास गवाह है कि ज्यादातर भू-राजनीतिक झटकों का बाजार पर असर सीमित अवधि तक ही रहता है। जैसे ही यह स्पष्ट होगा कि ऊर्जा आपूर्ति में बाधा अस्थायी है और प्रमुख तेल ढांचा सुरक्षित है, तेल की कीमतों में शुरुआती उछाल आंशिक रूप से कम हो सकता है। यूबीएस का मानना है कि ऐसे समय में पोर्टफोलियो से जोखिम पूरी तरह हटाने के बजाय उसे संतुलित और विविधतापूर्ण बनाना ज्यादा फायदेमंद रहता है। बैंक ने सलाह दी है कि निवेशक लंबी अवधि का नजरिया रखें और व्यापक इक्विटी इंडेक्स में निवेशित बने रहें।

कैसा है मार्केट का फ्यूचर?

यूबीएस का अनुमान है कि सैन्य तनाव के शुरुआती दौर में शेयर बाजार दबाव में रह सकता है, लेकिन मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था, कंपनियों की बेहतर कमाई और वैश्विक स्तर पर बढ़ते सरकारी खर्च के कारण 2026 के अंत तक बाजार में मौजूदा स्तर से करीब 10 प्रतिशत तक बढ़त संभव है। बैंक को अमेरिका के साथ-साथ यूरोप, जापान, चीन और उभरते बाजारों में भी संभावनाएं दिख रही हैं।

आर्थिक दबाव में घबराएं नहीं, स्मार्ट प्लानिंग करें

जब आपको खर्च भारी लगने लगे तो संभालें बजट व बढ़ाएं आमदनी

छोटे बदलाव और अनुशासन पा सकते हैं फाइनेंशियल संतुलन

समझदारी
बिजनेस डेस्क

कभी न कभी हर व्यक्ति ऐसी स्थिति का सामना करता है, जब अचानक खर्च बढ़ जाते हैं या आमदनी कम हो जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती पैसों की नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की होती है। अक्सर लोग घबरा जाते हैं और बिना सोचे-समझे फैसले लेने लगते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ जाती है, जबकि सच्चाई यह है कि ज्यादातर आर्थिक परेशानियां अस्थायी होती हैं और सही रणनीति से इन्हें संभाला जा सकता है। सबसे पहला कदम है स्थिति को समझना। जब भी खर्च अचानक बढ़ें या आमदनी घटे, तो तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय थोड़ी देर रुकें और पूरे हालात का आकलन करें। एक कागज या मोबाइल नोट में लिखें कि किस वजह से बदलाव आया है। कितना अतिरिक्त खर्च हुआ या आमदनी कितनी घटी? जब आप इसे साफ-साफ देखेंगे, तो समस्या उतनी बड़ी नहीं लगेगी, जितनी दिमाग में लगती है।

खर्चों को कंट्रोल करें

खर्चों को कंट्रोल करने के साथ-साथ आमदनी बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि आप तुरंत बड़ी कमाई शुरू करें। छोटे स्तर से शुरुआत भी काफी मददगार हो सकती है। अगर आपके पास कोई स्किल है जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग या कोई अन्य हुनर—तो उसे अतिरिक्त आमदनी के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। फ्रीलांस काम, पार्ट-टाइम जॉब या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए अतिरिक्त आय के मौके तलाशे जा सकते हैं। इससे न केवल आर्थिक दबाव कम होता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

भविष्य की तैयारी करें

जब आपकी स्थिति थोड़ी स्थिर होने लगे, तो भविष्य की तैयारी करना न भूलें। एक इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि कम से कम 3 से 6 महीने के जरूरी खर्चों जितनी राशि धीरे-धीरे बचाकर अलग रखें। यह फंड किसी भी अचानक आने वाली आर्थिक परेशानी में आपकी ढाल बन सकता है। इसके अलावा, कई लोग अपने वित्तीय प्लान में लाइफ इंश्योरेंस को भी शामिल करते हैं, ताकि किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार सुरक्षित रहे।

जरूरी और गैर-जरूरी खर्च समझें

इसके बाद जरूरी और गैर-जरूरी खर्चों के बीच फर्क करना बेहद जरूरी है। हर महीने के खर्चों की सूची बनाएं और उन्हें दो हिस्सों में बांटें। किराया, राशन, बिजली, बच्चों की फीस जैसे खर्च अनिवार्य होते हैं, जबकि बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग या मनोरंजन जैसे खर्चों को कुछ समय के लिए टाला जा सकता है। यह छोटे-छोटे बदलाव आपके बजट पर तुरंत सकारात्मक असर डालते हैं।

नियमित समीक्षा जरूरी

एक और महत्वपूर्ण बात है नियमित समीक्षा। आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए लगातार नजर रखना जरूरी है। हर हफ्ते या महीने अपने खर्च और आमदनी की समीक्षा करें। देखें कि कहां सुधार की जरूरत है और क्या बदलाव किए जा सकते हैं। यह आदत आपको भविष्य में भी वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद करेगी। ध्यान रखें कि कोई भी आर्थिक स्थिति एक दिन में नहीं बदलती। जैसे समस्याएं धीरे-धीरे आती हैं, वैसे ही समाधान भी समय लेते हैं। इसलिए धैर्य रखना बेहद जरूरी है। छोटे-छोटे कदम ही बड़े बदलाव की ओर ले जाते हैं।

कुछ न कुछ बचत करें

हर बार जब आप एक गैर-जरूरी खर्च कम करते हैं या थोड़ी अतिरिक्त बचत करते हैं, तो आप अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं। आर्थिक उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि कौन इन परिस्थितियों में घबराता है और कौन समझदारी से काम लेता है। अगर आप सही सोच, अनुशासन और निरंतर प्रयास बनाए रखते हैं, तो किसी भी वित्तीय संकट से बाहर निकलना संभव है।

मुश्किल समय में फाइनेंशियल मंत्र

- **पहले स्थिति समझें:** खर्च और आमदनी का स्पष्ट हिसाब रखें
- **कटौती करें:** गैर-जरूरी खर्चों को तुरंत रोकें
- **आमदनी बढ़ाएं:** छोटे-छोटे साइड इनकम ऑप्शन अपनाएं
- **इमरजेंसी फंड बनाएं:** 3–6 महीने का खर्च अलग रखें
- **नियमित समीक्षा:** हर हफ्ते बजट पर नजर रखें
- **धैर्य रखें:** धीरे-धीरे ही स्थिरता वापस आती है

समझदारी से कदम उठाएं

जब हर खर्च भारी लगने लगे, तब घबराने के बजाय समझदारी से कदम उठाना ही सबसे बड़ा समाधान है। सही योजना, छोटे बदलाव और निरंतर प्रयास से आप न सिर्फ इस दौर से बाहर निकल सकते हैं, बल्कि भविष्य के लिए खुद को और मजबूत भी बना सकते हैं।

बाजार में अस्थिरता के बीच लंपसम निवेश करना मौका या फिर जोखिम

- इस समय वैल्यूएशन 10 साल के औसत से भी नीचे पहुंची
- एक्सपर्ट्स बोले, डर नहीं, रणनीति के साथ निवेश का वक्त
- भू-राजनीतिक तनाव ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

हाल गिरावट ने शेयर बाजार में निवेशकों की धड़कनें जरूर बढ़ा दी हैं, लेकिन बाजार के जानकार इसे खतरे के बजाय अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। सेंसेक्स और निफ्टी-50 अपने ऐतिहासिक औसत के मुकाबले नीचे आ चुके हैं, जिससे वैल्यूएशन आकर्षक नजर आ रहे हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है क्या यह एकमुश्त (लंपसम) निवेश का सही समय है? या जोखिम होगा। पिछले कुछ महीनों में बाजार में उतार-चढ़ाव तेज हुआ है। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आर्थिक अनिश्चितता ने निवेशकों के भरोसे को हिलाया है। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाजार की गिरावट अक्सर लंबे समय के निवेशकों के लिए मौके लेकर आती है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा गिरावट "टाइम करेक्शन" का परिणाम है, जहां बाजार ने समय के साथ अपने वैल्यूएशन को संतुलित किया है। यही वजह है कि अब बाजार पहले की तुलना में ज्यादा "वाजिब" स्तर पर नजर आ रहा है।

वैल्यूएशन क्यों हैं आकर्षक

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, सेंसेक्स और निफ्टी का वन-ईयर फॉरवर्ड पीई मल्टीपल करीब 17.8 गुना तक आ चुका है, जो पिछले कुछ सालों के निचले स्तरों में से एक है। इसका सीधा मतलब है कि शेयर अब पहले के मुकाबले सस्ते मिल रहे हैं। जब बाजार अपने ऐतिहासिक औसत से नीचे ट्रेड करता है, तो लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह एक मजबूत एंट्री पॉइंट बन सकता है।

लंपसम निवेश सही फैसला?

अगर आपका निवेश नजरिया 3 से 5 साल या उससे ज्यादा का है, तो मौजूदा स्तर पर लंपसम निवेश फायदेमंद हो सकता है। बाजार में गिरावट के समय निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि आपको अच्छे शेयर या फंड्स कम कीमत पर मिल जाते हैं। हालांकि, हर निवेशक के लिए एक ही रणनीति सही नहीं होती। बाजार में अभी भी अस्थिरता बनी हुई है, इसलिए पूरी रकम एक साथ लगाना जोखिम भरा हो सकता है।

बैलेंस्ड अप्रोच अपनाएं

विशेषज्ञों का सुझाव है कि निवेशकों को "स्टैगर्ड" यानी चरणबद्ध निवेश की रणनीति अपनानी चाहिए। इसका मतलब है कुछ हिस्सा अभी निवेश करें। बाकी पैसा अगले 3–6 महीनों में धीरे-धीरे लगाएं। इस तरीके से आप बाजार के उतार-चढ़ाव का फायदा उठा सकते हैं और जोखिम भी कम कर सकते हैं।

किन फंड्स में करें निवेश

- लंपसम निवेश के लिए एक्सपर्ट्स निम्न विकल्पों को बेहतर मानते हैं।
- लार्ज-कैप फंड्सः स्थिर और कम जोखिम वाले
- फ्लेक्सी-कैप फंड्सः अलग-अलग कैटेगरी में निवेश का फायदा
- मल्टी-कैप फंड्सः विविधता के साथ संतुलित रिटर्न
- मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट में अभी भी कुछ हिस्सों में वैल्यूएशन ऊंचे हैं, इसलिए वहां थोड़ा सतर्क रहना जरूरी है।

वैश्विक कारकों का असर

- बाजार की दिशा सिर्फ घरेलू कारकों से तय नहीं होती। अंतरराष्ट्रीय घटनाएं भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती हैं। कच्चे तेल की कीमतें, वैश्विक युद्ध जैसी स्थितियां और आर्थिक नीतियां—ये सभी बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकती हैं।
- ऐसे में निवेशकों को जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना चाहिए और लंबी अवधि के नजरिए के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

निवेश से पहले रखें ध्यान?

- अपनी जोखिम क्षमता को समझें
- निवेश का समय कम से कम 3–5 साल रखें
- एकमुश्त निवेश के साथ एसआईपी या एसटीपी का मिश्रण अपनाएं
- घबराकर बाजार से बाहर निकलने की गलती न करें

लंपसम निवेश के फायदे

- गिरावट में सस्ते दाम पर निवेश
- लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावना
- कंपाउंडिंग का अधिक फायदा

सावधानियां

- बाजार की अस्थिरता का जोखिम
- गलत समय पर पूरी रकम लगाने का खतरा
- मिड और स्मॉल कैप में सतर्कता जरूरी

ऐसी हो स्मार्ट निवेश रणनीति

- 30–40% राशि अभी लगाएं
- बाकी को एसटीपी के जरिए धीरे-धीरे निवेश करें
- लार्ज और फ्लेक्सी कैप फंड्स पर फोकस रखें
- लंबी अवधि के लक्ष्य तय करें
- बाजार की खबरों से घबराएं नहीं

गिरावट सुनहरा अवसर भी

शेयर बाजार की मौजूदा गिरावट डराने वाली जरूर है, लेकिन समझदार निवेशकों के लिए यह एक सुनहरा अवसर भी हो सकती है। लंपसम निवेश फायदेमंद साबित हो सकता है, बशर्ते आप इसे सही रणनीति और धैर्य के साथ करें। याद रखें। बाजार में असली कमाई टाइमिंग से नहीं, बल्कि समय देने से होती है।

पैसा बचाने से लेकर निवेश तक, अपनाएं ये स्मार्ट स्टेप्स

सुझाव
बिजनेस डेस्क

हर व्यक्ति चाहता है कि उसके पास पर्याप्त पैसा हो और भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित रहे। लेकिन सच्चाई यह है कि केवल ज्यादा कमाना ही अमीर बनने का रास्ता नहीं है। असली फर्क इस बात से पड़ता है कि आप अपनी कमाई को कैसे संभालते हैं—कितना बचाते हैं और कहां निवेश करते हैं। सही रणनीति और अनुशासन के साथ कोई भी व्यक्ति धीरे-धीरे एक मजबूत फाइनेंशियल फाउंडेशन तैयार कर सकता है। यहां हम आपको ऐसे 8 आसान लेकिन असरदार स्टेप्स बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप न सिर्फ बचत बढ़ा सकते हैं, बल्कि समझदारी से निवेश कर भविष्य के लिए बड़ा फंड भी तैयार कर सकते हैं।

1. सबसे पहले लक्ष्य तय करें

बचत और निवेश की शुरुआत हमेशा एक स्पष्ट लक्ष्य से होनी चाहिए। सोचिए कि आपको पैसा किसलिए चाहिए—रिटायरमेंट, बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या आर्थिक स्वतंत्रता? जब आपका लक्ष्य तय होता है, तो आपकी बचत और निवेश को दिशा मिलती है। हर रुपये का उपयोग सोच-समझकर होता है और अनावश्यक खर्च अपने आप कम होने लगते हैं।

2. बजट बनाएं और खर्च नियंत्रित करें

हर महीने अपनी आय और खर्च का हिसाब रखें। इसके लिए आप 50-30-20 नियम अपना सकते हैं। इसमें 50% जरूरी खर्च (राशन, किराया, बिल), 30% इच्छाएं और 20% बचत और निवेश के लिए रख सकते हैं। यह तरीका आपको अनुशासित बनाता है और धीरे-धीरे आपकी बचत बढ़ने लगती है।

3. एसआईपी से निवेश की शुरुआत करें

सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी हर महीने एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करना। यह निवेश का सबसे आसान और प्रभावी तरीका है। कोशिश करें कि सैलरी आते ही एसआईपी ऑटोमैटिक कट जाए।

4. लंबी अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चुनें

एसआईपी के साथ-साथ लंबी अवधि के निवेश भी जरूरी हैं। इसके लिए आप पब्लिक प्रोविडेंट फंड, कर्मचारी भविष्य निधि और नेशनल पेंशन सिस्टम जैसी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं। ये योजनाएं आपको रिटायरमेंट के लिए एक मजबूत फंड बनाने में मदद करती हैं और टैक्स बचत का फायदा भी देती हैं।

5. सिर्फ एफडी पर निर्भर न रहें

फिक्स्ड डिपॉजिट यानी एफडी सुरक्षित जरूर है, लेकिन महंगाई को मात देने के लिए यह पर्याप्त नहीं है। इसलिए अपने पोर्टफोलियो में इक्विटी म्यूचुअल फंड और इंडेक्स फंड भी शामिल करें। इससे आपको लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

6. कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें

अगर आपके ऊपर कोई लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया है, तो उसे जल्द से जल्द खत्म करने की कोशिश करें। कर्ज पर दिया जाने वाला ब्याज आपकी बचत को कम करता है। कर्ज से मुक्ति एक तरह की "गारंटीड बचत" होती है, क्योंकि इससे आपका पैसा बेवजह खर्च होने से बचता है।

7. इंश्योरेंस से सुरक्षा सुनिश्चित करें

आपकी मेहनत से बनाई गई बचत और निवेश को सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। इसके लिए हेल्थ इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस जरूर लें। इससे किसी आपात स्थिति में आपकी आर्थिक स्थिति पर बड़ा असर नहीं पड़ता।

8. नियमित समीक्षा करें

हर साल अपने निवेश की समीक्षा करें। देखें कि कौन सा निवेश अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और कहां बदलाव की जरूरत है।साथ ही अपनी आय बढ़ाने पर भी ध्यान दें। नई स्किल सीखें, बेहतर अवसर तलाशें और वित्तीय ज्ञान बढ़ाएं। टैक्स बचाने के लिए आयकर की धारा 80सी जैसे विकल्पों का भी सही उपयोग करें।

जल्दी पैसा इकट्ठा करने के टिप्स

-सैलरी आते ही पहले बचत, बाद में खर्च
-छोटी-छोटी बचत को नजरअंदाज न करें
-लंबी अवधि तक निवेश जारी रखें
-बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

पैसा जमा करना आदतों का खेल

पैसा जमा करना कोई जादू नहीं, बल्कि आदतों का खेल है। अगर आप सही समय पर सही कदम उठाते हैं, तो छोटी-छोटी बचत भी बड़े फंड में बदल सकती है। याद रखें अनुशासन, धैर्य और सही निवेश ही अमीरी की असली चाबी हैं।

निवेश के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड व गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ में रहेगा बेहतर संतुलन

म्यूचुअल फंड में दमदार रिटर्न के लिए बनाएं मल्टी-एसेट की रणनीति

योजना
बिजनेस डेस्क

नया वित्त वर्ष वित्त 27 करीब है और निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है। इस अनिश्चित बाजार में पैसा कहां लगाया जाए? पिछले 18 महीनों में इक्विटी बाजार ने कभी तेज रफ्तार पकड़ी, तो कभी अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में अब एक्सपर्ट्स साफ कह रहे हैं कि सिंगल स्ट्रैटेजी का दौर खत्म हो चुका है। अब समय है मल्टी-एसेट अप्रोच अपनाने का, जिससे न सिर्फ बेहतर रिटर्न मिल सकता है, बल्कि जोखिम भी नियंत्रित रखा जा सकता है। निवेशक इस उलझन में हैं कि बाजार की मौजूदा स्थिति में अपना पैसा कहां लगाएं। बाजार विशेषज्ञों ने निवेशकों को एक मल्टी-एसेट रणनीति अपनाने की सलाह दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 में बेहतर रिटर्न और जोखिम कम करने के लिए फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का मिश्रण एक समझदारी भरा फैसला साबित हो सकता है।

क्यों जरूरी है मल्टी-एसेट रणनीति

बाजार के उतार-चढ़ाव ने यह साफ कर दिया है कि केवल इक्विटी पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। जब शेयर बाजार गिरता है, तो पूरा पोर्टफोलियो प्रभावित होता है। ऐसे में अलग-अलग एसेट क्लास, इक्विटी, डेट और कमोडिटी-का संतुलन जरूरी हो जाता है। मल्टी-एसेट रणनीति का मूल सिद्धांत यही है। "सभी अंडे एक ही टोकरी में न रखें।

फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वित्त वर्ष 27 के लिए फ्लेक्सीकैप और मल्टीकैप फंड सबसे मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि फंड मैनेजर बाजार की स्थिति के हिसाब से लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में निवेश का अनुपात बदल सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि जब बाजार में किसी एक सेगमेंट में गिरावट आती है, तो दूसरा सेगमेंट पोर्टफोलियो को संतुलित रखता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा लार्ज-कैप ओरिएंटेड फंड्स में होना चाहिए, क्योंकि ये अपेक्षाकृत स्थिर और कम जोखिम वाले होते हैं।

मिड और स्मॉल-कैप में क्यों जरूरी है सतर्कता

हालांकि मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में रिटर्न की संभावनाएं ज्यादा होती हैं, लेकिन जोखिम भी उतना ही अधिक होता है। हाल के समय में इन सेगमेंट्स में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि इन फंड्स में सीमित निवेश करें। लंबी अवधि (5 साल या उससे ज्यादा) का नजरिया रखें। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने से बचें। यानी "हाई रिटर्न" के लालच में जोखिम को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है।

गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ

वैश्विक अनिश्चितताओं जैसे युद्ध, महंगाई या आर्थिक संकट के दौर में सोना हमेशा एक सुरक्षित निवेश माना गया है। सोना पोर्टफोलियो को स्थिरता देता है, जबकि चांदी में ग्रोथ की संभावना अधिक होती है। एक्सपर्ट्स का सुझाव है कि कुल पोर्टफोलियो का करीब 10% हिस्सा गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में जरूर होना चाहिए।

हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड

जो निवेशक ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते, उनके लिए हाइब्रिड और मल्टी-एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी (शेयर बाजार), डेट (बॉन्ड्स), गोल्ड अच्छे विकल्प हैं। इससे अगर एक एसेट क्लास कमजोर पड़ता है, तो दूसरा उसे संभाल लेता है। यही कारण है कि ऐसे फंड्स को "ऑटोमैटिक बैलेंसिंग टूल" भी कहा जाता है।

कैसे बनाएं स्मार्ट पोर्टफोलियो?

- 50–60%: फ्लेक्सीकैप/लार्ज-कैप/मल्टीकैप फंड
- 10–20%: मिड और स्मॉल-कैप (सीमित निवेश)
- 10%: गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ
- 10–20%: हाइब्रिड या डेट फंड

निवेशकों के लिए जरूरी सीख

निवेश की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कितना "डाइवर्सिफाइड" पोर्टफोलियो बनाते हैं। सिर्फ रिटर्न के पीछे भागने के बजाय जोखिम प्रबंधन पर भी उतना ही ध्यान देना होगा। बाजार हमेशा एक दिशा में नहीं चलता। हर गिरावट एक अवसर भी हो सकती है। धैर्य और अनुशासन सबसे बड़ी ताकत हैं।

मल्टी-एसेट मंत्र

- **डाइवर्सिफिकेशन जरूरी:** कभी भी निवेश के लिए एक ही एसेट पर निर्भर न रहें
- **फ्लेक्सीकैप को प्राथमिकता:** बाजार के हिसाब से बदलाव की सुविधा
- **मिड-स्मॉल कैप में सावधानी:** सीमित और लंबी अवधि का निवेश
- **गोल्ड ईटीएफ जरूर रखें :** अनिश्चितता में सुरक्षा
- **हाइब्रिड फंड अपनाएं:** जोखिम और रिटर्न का संतुलन बहुत जरूरी
- **नियमित समीक्षा:** हर 6–12 महीने में अपने बनाए हुए पोर्टफोलियो को जरूर जांचें

क्या करें

- लक्ष्य आधारित निवेश करें
- एसआईपी और लंपसम का मिश्रण अपनाएं
- लंबी अवधि का नजरिया रखें

क्या न करें

- बाजार गिरने पर घबराकर निवेश बंद न करें
- एक ही सेगमेंट में ज्यादा पैसा न लगाएं
- शॉर्ट-टर्म रिटर्न के चक्कर में जोखिम न बढ़ाएं

संतुलन ही सफलता है।

फ्लेक्सीकैप, मल्टी-एसेट फंड और गोल्ड-सिल्वर ईटीएफ का सही मिश्रण न सिर्फ आपके पोर्टफोलियो को सुरक्षित रखेगा, बल्कि लंबे समय में बेहतर रिटर्न की राह भी बनाएगा। याद रखें, बाजार का उतार-चढ़ाव कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन सही रणनीति के साथ आप हर दौर में अपने निवेश को मजबूत बना सकते हैं।

खबर संक्षेप

कुम्हरपारा हरदी बाजार में शारदीय नवरात्रि का आयोजन आज से

हरदीबाजार। हरदीबाजार कुम्हारपारा में शारदीय नवरात्रि (नेवरात पर्व) का आयोजन 22 मार्च को जवां बोआई एवं 30 मार्च को नवमी पर विसर्जन किया जाएगा। इस दौरान भक्तों के द्वारा मां आदि शक्ति की जसगीत,सेवा आराधना किया जाएगा। आयोजक सीताराम- श्रीमती सविता यादव ने इस धार्मिक आयोजन में पहुंचकर पुन्य के भागी बने का आग्रह किया है।

जीवनधारा ब्लड बैंक का हुआ शुभारंभ

कोरबा। कोसाबाड़ी निहारिका रोड में जीवनधारा ब्लड बैंक का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस एन केशरी उपस्थित हुए। इस ब्लड बैंक में सभी प्रकार के सुविधाये उपलब्ध है। यहां सभी प्रकार के ब्लड ग्रुप मरीजों के लिए 24 घंटा सेवा में उपलब्ध रहेगा। इसकी जानकारी संस्था के संचालक डॉ विनय सिंह एवं सहयोगी प्रवीण कुमार साव तथा संतोष कुमार धांधी ने दिया।

ईद की बंटी खुशियां, मस्जिदों में अदा की गई नमाज

कोरबा। एक माह तक चलने वाले इबादत का पर्व रमजान की ईद की नमाज के साथ शनिवार को समापन हो गया। इस अवसर पर शहर और उपनगरीय क्षेत्रों सहित ग्रामीण अंचलों के इबादतगाहों में ईदुलफितर की विशेष नमाज अदा की गई। ईदुलफितर को लेकर जिले में उल्लास और उमंग का माहौल चरम पर पहुंच गया है। एक ओर जहां ईदगाहों को आकर्षक ढंग से सजाकर नमाज के लिए तैयार किया गया था। वहीं दूसरी ओर ईद से एक दिन पहले बाजार सेवई, मिठाइयों, कपड़ों और रोजमर्रा की खरीदारी से पूरी तरह गुलजार हो उठे थे। शनिवार की सुबह ईदगाह परिसर में ईद-उल-फितर की विशेष नमाज अदा की गई। इस दौरान एक दूसरे को ईद पर्व की गले लग कर बधाईयां दी गई। शहर के ईदगाहों के अलावा बालको, दर्री, एनटीपीसी, बांकीमोंगरा और कटघोरा के मस्जिदों व ईदगाह में नमाज अदा की गई। इस दौरान सुरक्षा के प्रमुख प्रबंध किए गए थे। ईद की तैयारियों को लेकर मस्जिदों और ईदगाह को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

पीएम श्री विद्यालयों को उन्नत करने के लिए नियमित करें निरीक्षण : नाग

कोरबा। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा दिनेश कुमार नाग ने गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के पीएम श्री विद्यालयों को निर्धारित मानकों के अनुरूप विकसित करने हेतु नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीईओ श्री नाग ने कहा कि जिले में संचालित 16 पीएम श्री विद्यालयों को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विद्यालयों में अधोसंरचना विकास, शिक्षण गुणवत्ता, परीक्षाफल में सुधार तथा पीएम श्री योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी संतृप्ति बिंदुओं की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक पीएम श्री विद्यालय का माह में कम से कम दो बार निरीक्षण किया जाए तथा निरीक्षण के दौरान अधोसंरचना, शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों के प्रदर्शन की नियमित मॉनीटरिंग की जाए।

निधन

राज गोपाल मेनन

कोरबा। शहर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं समाजसेवी राज गोपाल मेनन का शनिवार की सुबह 9:30 बजे निधन हो गया। 61 वर्षीय मेनन कुछ दिनों से अस्वस्थ थे। केरल स्थित अमृतम हॉस्पिटल में उपचार जारी था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। वह आर के मेनन, अशोक मेनन के भाई एवं राहुल एवं राजीव मेनन के पिता थे। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर चले गए।

श्रीमती मंजू देवी

कोरबा। दीपका नगर पालिका के पार्षद सुजीत सिंह की माता श्रीमती मंजू देवी का आकस्मिक निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार 22 मार्च को प्रातः 10 बजे, दीपका के ज्योति नगर स्थित मुक्ति धाम में किया जाएगा।

पृष्ठ 1 का शेष

मान्यताः नहीं होती...

बताए अनुसार धान की फसल के दौरान मानसून में भी जब बारिश नहीं होती थी उस समय आसपास के 3-4 ग्रामों के ग्रामीण एकत्रित होकर रामायण गान किया करते थे और कई बार ऐसा आया रामायण गाने के दौरान ही बारिश होना शुरु हो गई। पंचराम के मुताबिक ऐसा उनके सामने भी हुआ है।

दीपका में हिंदू नववर्ष में संघ कार्य विस्तार पर दिया गया जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

संघ का वर्ष प्रतिपदा उत्सव संपन्न

19 मार्च गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दीपका नगर की तीनों शाखाओं में संघ के छः प्रमुख उत्सवों में से एक वर्ष प्रतिपदा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने एकत्रित होकर हिंदू नववर्ष का स्वागत किया तथा संघ कार्य के विस्तार का संकल्प लिया।

अलग खबर

वंदेमातरम् प्रभात शाखा, देवसरोवर प्रगति नगर में आयोजित कार्यक्रम में संघ से अधिकारी लल्लू सिंह, नगर संघ चालक एवं मुख्य वक्ता रामप्रताप पाटनवार मंचासीन रहे। वहीं वीर कुँवर सिंह शाखा ज्योति नगर में सुशील कुमार सिंह, लल्लू सिंह एवं मुख्य वक्ता खगेंद्र कौशिक की उपस्थिति रही। महाराणा प्रताप प्रभात शाखा सरस्वती शिशु मंदिर ऊर्जा नगर गेवरा में मुख्य अतिथि डालचंद सोनी एवं मुख्य वक्ता संजय अग्रवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक रंजन सिंह ने किया। मुख्य वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष प्रतिपदा केवल नववर्ष का आरंभ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपरा और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह दिन हमें राष्ट्र निर्माण के लिए नवचेतना और ऊर्जा प्रदान करता है। वक्ताओं ने पंच परिवर्तन के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्य पालन जैसे विषयों पर समाज को जागरूक करना आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ का कार्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना है और प्रत्येक स्वयंसेवक को अपने आचरण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य शिक्षकों द्वारा शाखा संचालन किया गया तथा एकल गीत सहित विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। अंत में सभी स्वयंसेवकों ने एकजुटता के साथ राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

लायंस क्लब कटघोरा छुरी की निःशुल्क एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ

समाज सेवा के ऐसे कार्य लोगों के जीवन में निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका : प्रेमचंद

एंबुलेंस सेवा का शुभारंभ करते विधायक, नपा अध्यक्ष, लायंस क्लब के पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

नगर में जनसेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लायंस क्लब कटघोरा छुरी द्वारा निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक प्रेमचंद पटेल रहे, जबकि नगर पालिका कटघोरा के अध्यक्ष राज जायसवाल एवं नगर निरीक्षक धर्मनारायण तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान संचालन कर रहे क्लब के संरक्षक अजय धनोंदिया ने स्वागत उद्बोधन देते हुए अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत किया तथा निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा की आवश्यकता और उसके उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह सेवा नगर और आसपास के क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए आपातकालीन परिस्थितियों में अत्यंत उपयोगी साबित होगी और समय पर मरीजों को अस्पताल पहुँचाने में मदद करेगी। मुख्य अतिथि विधायक प्रेमचंद पटेल ने कहा कि समाज सेवा के ऐसे कार्य लोगों के जीवन को बचाने और जरूरतमंदों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को इस जनहितकारी कार्य के लिए बधाई दी। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने कहा कि लायंस क्लब द्वारा शुरू की गई यह निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा नगरवासियों के लिए अत्यंत लाभकारी साबित होगी व क्लब की इस पहल को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए इसकी सराहना की व बताया नगर के लिए भी यह सम्मान की बात है कि ऐसी संस्था के द्वारा नगर के सांथ आसपास के छेत्रो में लगातार निःस्वार्थ भाव से सेवा के कार्य कर रही है। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री संजय शर्मा, मण्डल अध्यक्ष अभिषेक गर्ग, सहायक निरीक्षक राजेन्द्र सिंह राजपूत, समंजित सिंह, अनुराग दुहलानी, मनोज नायडू, सर्वजीत सिंह, अमित जायसवाल, मंदीप जायसवाल, रूपेश जायसवाल, मनोज दुबे, डाकेश्वर शुक्ला, क्लब अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, संरक्षक अजय धनोंदिया, अजय गर्ग, दीपक गर्ग, कोषाध्यक्ष राकेश गोयल, डॉ गोपाल बन गोस्वामी, मुकेश गोयल, नरेंद्र अग्रवाल, राकेश शर्मा सहित सभी सदस्यगण एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज जायसवाल ने की वाटर कूलर की घोषणा

क्लब के द्वारा गर्मी को देखते हुए नगर पालिका के अध्यक्ष राज जायसवाल से एक नग वाटर कूलर की मांग की जिस पर अध्यक्ष के द्वारा तत्काल अपने अध्यक्ष निधि से 1 नग वाटर कूलर देने की घोषणा की जिसका उपस्थित सभी जनसमुदाय ने ताली बजाकर अभिनंदन किया।

कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने पूर्व विधायक पुरुषोत्तम का मनाया जन्मदिन

पूर्व विधायक का जन्मदिन मनाते समर्थक।

हरिभूमि न्यूज ⏭ हरदीबाजार

कटघोरा विधानसभा के पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर के जन्मदिन के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने आतिशबाजी के साथ केक काटकर बूके भेंटकर माला पहनकर मिठाई खिलाकर धूमधाम से जन्मदिन मनाया। पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर सुबह माता-पिता का आशीर्वाद लेकर लीलागर नदी तट पर स्थित श्री राम जानकी मंदिर व बस स्टैंड सत्यदेव मंदिर जाकर पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व समर्थकों के उत्साह को देखते हुए पुरुषोत्तम कंवर ने सभी का अभिवादन किया। हरदीबाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर मरीजो को फल वितरण किया व जल्दी उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरदीबाजार कौशल श्रीवास,रामशरण कंवर,पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मीरा कंवर, धनंजय कवंर, रमेश अहीर, चंद्रहास राठौर, प्रभा सिंह तंवर,राय सिंह तंवर,रामकुमार कंवर,श्रवण कश्यप, मुकेश बर्मन,कुलदीप राठौर,कांति मधुकर,विजय जायसवाल,शेखर पटेल, रामनारायण पटेल,दिलीप राठौर,चित्रपाल श्रीवास, शत्रुघ्न यादव, लक्ष्मी बंजारे, चंद्रिका प्रजापति,शंकर कंवर,दीपक राजपूत,कुलदीप शर्मा, विक्रम राठौर,जनकराम पटेल,मनी पटेल,गगन यादव,कुलदीप तिवारी,हरि यादव,गया चंद्रा, योगेश कंवर,सुभाष कैवर्थ सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता,समर्थक उपस्थित थे।

हिंदू नववर्ष पर कटघोरा में कवि सम्मेलन निकाली भव्य बाइक रैली

बाइक रैली में शामिल महिलाएं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटघोरा

हिन्दू नववर्ष की पूर्व संध्या पर कटघोरा नगर पूरी तरह उत्सवमय माहौल में डूबा नजर आया। नववर्ष आयोजन समिति द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन और भव्य बाइक रैली ने न केवल सांस्कृतिक रंग बिखेरा बल्कि पूरे नगर को एकजुट कर उल्लास और ऊर्जा से भर दिया। नगर के गोकुल धाम में आयोजित कवि सम्मेलन में देशभर से आए ख्यातिप्राप्त कवियों ने अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी भाजपा जिला महामंत्री संजय शर्मा, पत्रकार संघ कटघोरा के अध्यक्ष अजय धनोंदिया, डॉ हरि दिवाकर,डॉ गोपाल बन गोस्वामी ,मुकेश गोयल के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

बिहार से आए प्रसिद्ध हास्य कवि शम्भू शिखर ने अपने अनोखे अंदाज और चुटीली कविताओं से श्रोताओं को हंसी से लोटपोट कर दिया। वहीं दिल्ली की पद्मिनी शर्मा, कानपुर के हेमंत पांडे, कोरबा बालको के हीरामणि वैष्णव और अयोध्या से आए अजय निर्भीक ने अपनी प्रभावशाली कविताओं से वातावरण को भावनाओं और रसों से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रोताओं की तालियों और ठहाकों से पूरा परिसर गूंजता रहा। हिन्दू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि के अवसर पर शाम 4 बजे आयोजन समिति द्वारा एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली की शुरुआत कारखाना एरिया स्थित महागौरी मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद यह रैली नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए तहसीलभाटा अटल परिसर होते हुए अम्बिकापुर मार्ग स्थित हनुमानगढ़ी पहुंची, जहां इसका समापन किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने मे लक्ष्मी गर्ग,विनय सिंह गहलोत,मुकेश गोयल सहित पूरी टीम का योगदान सराहनीय रहा।

भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर उमड़े श्रद्धालु, निकाली गई शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शोभायात्रा में शामिल सिंधी समाज।

शहर में भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेट्रीचंड्र पर सिंधी समाज द्वारा भक्ति और उत्साह का अनूठा प्रदर्शन किया गया। पूज्य सिंधी समाज की ओर से आयोजित इस भव्य शोभायात्रा में पूरी आस्था और परंपराओं का संगम देखने को मिला। पूरा शहर जय झूलेलाल के उद्घोष से गुंजायमान रहा। शोभायात्रा रानी रोड स्थित झूलेलाल मंदिर से शुरू हुई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए डीडीएम रोड स्थित गोदड़ी धाम तक पहुँची। मार्ग में जगह-जगह पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालुओं और मनमोहक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। भक्ति गीतों की धुनों पर थिरकते समाजजनों ने पूरे वातावरण को उल्लास से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, महापौर संजू देवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर और वरिष्ठ पार्षद नरेंद्र देवांगन सहित भाजपा व कांग्रेस के अनेक दिग्गज नेताओं ने अपने साथियों के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। अतिथियों ने भगवान झूलेलाल की विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने समाज की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि भगवान झूलेलाल के आदर्श हमें प्रेम, शांति और आपसी भाईचारे की सीख देते हैं। सिंधी समाज का अपनी संस्कृति के प्रति यह समर्पण प्रेरणादायक है।

भाईचारे का संदेश देता है झूलेलाल जयंतीः जयसिंह

पूज्य सिंधी समाज कोरबा की ओर से सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव और चेट्रीचंड्र महोत्सव के अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा झूलेलाल मंदिर, रानी रोड से प्रारंभ होकर गोदड़ी धाम, डीडीएम रोड तक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था देखने को मिली। शोभायात्रा जब पुराना बस स्टैंड क्षेत्र पहुंची, तब इसमें पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया और समाजजनों को झूलेलाल जयंती की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि भगवान झूलेलाल का जीवन हमें भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश देता है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में एकता को और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए हमेशा समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को संस्कारों से परिचित कराने का अवसर प्रदान करते हैं। समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसे बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। भक्ति गीतों और झांकियों के साथ निकली यह शोभायात्रा शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

राज्य स्पर्धा में कोरबा के बॉक्सर्स दिखाएंगे अपना दमखम

चयनित खिलाड़ी व अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा भिलाई में आयोजित 17वीं राज्य स्तरीय यूथ बॉक्सिंग एवं जूनियर बालक/बालिका बॉक्सिंग प्रतियोगिता जो कि 21 से 23 मार्च तक जवाहर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स वार्ड नंबर 14 हाउसिंग बोर्ड कालोनी भिलाई में आयोजित हो रही है। जिला बॉक्सिंग संघ के सह सचिव एवं कोच अजीत शर्मा ने बताया कि जिले ड्रेगन मार्शल आर्ट एकेडमी, दीपका, कुसमुंडा से कुल 12 बॉक्सर्स का चयन हुआ हैं। जिसमें सलेक्शन ट्रायल छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नूतन सिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ । जिसमें यूथ बॉक्सिंग महिला/पुरुष में 4 बॉक्सर्स खुशबू राठी 48-51 किलोग्राम, कु.रागनी 65-70 किलोग्राम , आदित्य रंजन 47-50 किलोग्राम, नैतिक शर्मा 55-60 किलोग्राम जूनियर बालक / बालिका में विभा मिश्रा 46-48 किलोग्राम , दक्ष वीर दीवान 44-46 किलोग्राम , नमन प्रजापति 46-48 किलोग्राम , , विनीत यादव 52-54 किलोग्राम , नरेंद्र कश्यप 54- 57 किलोग्राम , रौनक रजक 60-63 किलोग्राम , युवराज केवट - 66- 70 कि लो ग्रा म वजनवर्ग में भाग ले रहे हैं। टीम के साथ डीएमसी कोच अनुज अग्रवाल,टीम मैनेजर राहुल दास आज छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस से टीम रवाना हुई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश एमेच्योर बॉक्सिंग एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नूतन, लल्लू यादव, बॉक्सिंग कोच अजीत शर्मा, कोच महेश देवांगन शुभम प्रजापति, ईश्वर दास,हरीश यादव, मोहम्मद आरिफ, सहायक कोच अनुज अग्रवाल, महिला कोच पूजा मिश्रा, हार्दिक दुरेजा, मुस्कान जायसवाल, रिंकू साहू , राहुल , हर्ष यादव, शेन एलेक्स, प्राची राठौर आदि सभी ने सभी बॉक्सर्स को ढेर सारी शुभकामनाएं दी।

कोरबा मार्केट

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गांरटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु, पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन,सिपलिस, गनौरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
20 वर्षों से स्थाई
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यंत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
हड्डी एवं जोडों का दर्द ◆ नसों का रोग
त्वचा एवं बालों का रोग ◆ स्त्री रोग ◆ मानसिक रोग
मूत्र संबंधी रोग ◆ मधुमेह (डायबिटीज़) ◆ नेत्र रोग
किडनी संबंधी रोग ◆ पेट संबंधी विकार ◆ थायराइड
अस्थमा ◆ मोटापा ◆ मांसपेशी का रोग
मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

NOTICE

I hitherto known as Dheeraj S/o Teejram R/o 27, Ward No-07, Uparpara, Salora, Korba, Chhattisgarh-495445 have changed my name and shall hereafter be known as Dheeraj kenwat.

क्राइम की खबरें

सेवा भारती ने दत्तक ग्रहण कार्यक्रम का किया आयोजन

कोरबा। सेवा भारती द्वारा दत्तक ग्रहण कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद सेवा सदन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निराश्रित एवं जरूरतमंद बच्चों को एक स्नेहिल परिवार प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक पहल करना है। कार्यक्रम में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के उपाध्यक्ष जुड़ावन सिंह ठाकुर, मुख्य अतिथि हितानंद अग्रवाल एवं बरखा अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही सेवा भारती के सचिव सुनील जैन, कोषाध्यक्ष गोविंद माधव उपाध्याय, सहसचिव निकेश अग्रवाल सहित अभिषेक शर्मा, सुनील वर्मा, भागीरथी चंद्रा, निक्की उपाध्याय, मयंक श्रीवास, शोभा अवस्थी, रूबी मुखर्जी, कमल बत्रा एवं अन्य सदस्यगण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर एक बच्चे को नए परिवार का स्नेह प्राप्त हुआ। बच्चे के चेहरे पर खुशी और उत्साह स्पष्ट रूप से झलक रहा था, वहीं परिवार ने भी उन्हें अपनाकर उनके पालन-पोषण एवं उज्ज्वल भविष्य की जिम्मेदारी को सहर्ष स्वीकार किया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को ऐसे कार्यों में आगे आकर सहयोग करना चाहिए, जिससे इस तरह के निराश्रित बच्चों को परिवार का प्यार और सुरक्षित भविष्य मिल सके।

पेय पदार्थों की जांच तेज, बिना लाइसेंस डिस्ट्रीब्यूटर सील

कोरबा। बढ़ती गर्मी के मद्देनज़र खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले में पेय पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी क्रम में दादर क्षेत्र स्थित सुनीता बेवरेजेस और रजगामार रोड स्थित ममता इंडस्ट्रीज से पानी के नमूने जांच हेतु लिए गए। इसके साथ ही डिंगापुर वार्ड क्रमांक 36 में स्थित पियूष डिस्ट्रीब्यूटर (पेप्सिको कंपनी) में भी निरीक्षण किया गया, जहां से स्लाइस फ्रूट जूस और ट्रॉपिकाना अमरूद जूस के सैंपल लिए गए। जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर के पास उक्त स्थान के लिए वैध लाइसेंस नहीं था। लाइसेंस की अनुपस्थिति को गंभीर उल्लंघन मानते हुए विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए फर्म को सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि गर्मी के मौसम में पेय पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

कटघोरा पुलिस ने लावारिस बुजुर्ग का किया कफन दफन

कटघोरा। कटघोरा क्षेत्र में पुलिस ने एक बार फिर मानवता और संवेदनशीलता की अनूठी मिसाल पेश की है। कटघोरा पुलिस ने एक लावारिस वृद्ध के शव का सम्मान के साथ कफन दफन किया गया। 15 व 16 मार्च की दरमियानी रात रजकम्मा क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे पर एक अज्ञात बुजुर्ग का शव मिला था। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और मृतक की पहचान के लिए हरसंभव प्रयास किए। आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की गई, लेकिन काफी कोशिशों के बावजूद मृतक के परिजनों का कोई पता नहीं चल सका। ऐसी स्थिति में कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पूरे विधि-विधान से मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार शव का कफ़न-दफन किया।

कलश यात्रा के साथ ग्राम बिरदा में आरंभ हुई श्री शिव महापुराण कथा

हरदीबाजार। ग्राम बिरदा में श्री शिव महापुराण कथा का भव्य कलश यात्रा के साथ मंगलमय शुभ आरंभ हुआ । लोक कल्याण एवं शिव भक्ति प्रसार हेतु दिव्य कथा का पावन आयोजन किया जा रहा है । कथा व्यासपीठ से कथावाचक श्री प्रणव महराज बहनपाठ वाले अपने मधुर वाणी से सभी भक्तों को शिव महापुराण की कथा सुनाएंगे कथा का आयोजन 19 मार्च से 26 मार्च 2026 तक ग्राम बिरदा में मोरध्यज राजवाड़े के निवास स्थान में की गई जा रही है ,कथा प्रति दिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक प्रवाहित होगी आयोजक राजवाड़े परिवार ने कथा श्रवण व भंडारा प्रसाद हेतु सभी कथा अनुरागी भक्तों का आवाहन किया है ।

गायत्री मंदिर सड़क के चौड़ीकरण की दरकार, सड़क के एक ओर नाली का निर्माण नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

शहरी क्षेत्र की विभिन्न सड़कों को ठीक करने के लिए ध्यान दिया जा रहा है, इस तरह की खबरें लगातार आ रही हैं। इन सब के बावजूद बालको नगर क्षेत्र में अंबिका मंदिर से लेकर चेक पोस्ट को जाने वाला रास्ता खस्ताहाल हो चुका है। इसे ठीक करने की ना तो मानसिकता बनाई गई है और ना ही कोई योजना।

अलग खबर

लगभग 5 किलोमीटर लंबा यह रास्ता काफी समय से जर्जर स्थिति में है। कई स्थान पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं तो कई जगह पर सड़क गायब हो चुकी है। दिन में तो बात समझ में आती है लेकिन रात को आवागमन करने के दौरान लोगों को अनुमान लगाना पड़ता है कि कहां से निकलना ठीक होगा। बीते दिनों में कई बार छोटी बड़ी घटनाएं हो चुकी है और लोगों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। पीड़ित और जन सामान्य ने इस मसले को लेकर नगर पालिका निगम के अलावा प्रशासन तक बात पहुंचाई है। उनकी ओर से कहा गया है कि जब नगर निगम के दूसरे क्षेत्रों की मुख्य सड़कों को ठीक करने के लिए पर्याप्त धनराशि है और ऐसे कार्यों पर विचार करने के साथ वित्तीय धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है तो फिर बालको नगर के मामले में विचार कब होगा। लोगों का यह भी कहना है कि अगर सबका साथ सबका विकास के स्लोगन के साथ क्षेत्र में कामकाज कराए जा रहे हैं तो आखिर हमारे इलाके का नंबर काम आएगा और इसके लिए कौन सा तरीका अपनाना होगा। अंबिका मंदिर क्षेत्र में लोगों की शिकायत इस बात को लेकर भी है कि वहां पर नालियों का निर्माण करने के मामले में भी उदासीनता बरती गई है। इसलिए हर बारिश के मौसम में क्षेत्र में जल जमाव की समस्या उत्पन्न होती है और लोग परेशान होते हैं। क्षेत्र के नागरिकों ने हैरानी के साथ कहा कि जब समाधान शिविर और सूरज जैसे अभियान चलाने पर काम किया जा रहा है तो फिर भी यह क्षेत्र समस्याओं से ग्रसित क्यों है और इसकी सुध लेने के लिए आखिर क्या कुछ करना होगा।

रिस्दा चौक से चेकपोस्ट तक मुरुम से पाटा गया गड्ढों को

विद्युत कंपनी ही लगाएगी प्लांट, तैयार किया गया डीपीआर

नए हाइड्रो पावर प्लांट के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए राज्य शासन ने बांगो बांध से 40 किमी दूर 1200 मेगावाट का पावर प्लांट लगाने की योजना बनाई है। छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी द्वारा ही प्लांट का निर्माण किया जाएगा।

खास बात

- बांगो बांध से 40 किमी दूर बनेगा 1200 मेगावाट का नया डाइड्रो पावर प्लांट

बांगो बांध के समीप पावर प्लांट के लिए पर्यावरणीय मंजूरी का आवेदन दिया गया है। मंजूरी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी ने केंद्र सरकार की एजेंसी वॉटर एंड पावर कंसलटेंसी सर्विसेज लिमिटेड के साथ 7700 मेगावॉट के 5 स्टोरेज हाइड्रो पावर प्लांट के डीपीआर के लिए अनुबंध किया था। उसके बाद से ही पंप स्टोरेज हाइडल पावर प्लांट को लेकर प्रक्रिया चल रही है। 5 स्थानों पर पंप स्टोरेज तकनीक से बनने वाली हाइड्रो पावर प्लांट में से बांगो बांध पर अभी अधिक फोकस किया जा रहा है। यहां बिजली उत्पादन कंपनी ही प्लांट लगाएगी। इसका डीपीआर भी कंपनी ही बनाएगी। बाकी के लिए टेंडर से प्राइवेट कंपनी को दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के एमडी संजीव कुमार कटियार के मुताबिक प्रदेश में इस तरह की परियोजना से 7700 मेगावाट बिजली बनाने की योजना है। हसदेव बांगो बांध कोरबा व सिकासेर जलाशय गरियाबंद में 1200-1200 मेगावाट, जशपुर के डोंगरी में 1400 मेगावाट, रौनी में 2100 मेगावाट व बलरामपुर के कोटपट्टी में 1800 मेगावाट का पंप स्टोरेज हाइडल प्लांट लगाने की योजना है। हर साल गर्मी में बिजली की डिमांड बढ़ती जा रही है। गर्मी के दौरान 6 हजार मेगावाट तक बिजली की डिमांड पहुंच रही है। जो अगले 5 वर्ष में बढ़कर 10 हजार मेगावाट हो जाने का आंकलन है। जनरेशन कंपनी की उत्पादन क्षमता 2978.7 मेगावाट है। जो 1320 मेगवाट क्षमता वाले कोरबा पश्चिम विस्तार संयंत्र के निर्माण के बाद बढ़कर 4298.7 मेगावाट हो जाएगी। यही वजह है कि अब पानी से बिजली उत्पादन करने पर अधिक फोकस किया जा रहा है। एक अधिकारी के मुताबिक बांगो में पंप स्टोरेज हाइडल प्लांट बनेगा। जिसे इसी वर्ष शुरु करने की योजना है। विद्युत कंपनी प्रबंधन द्वारा संयंत्र निर्माण के लिए डीपीआर तैयार कर लिया गया है और पर्यावरणीय स्वीकृति का इंतजार किया जा रहा है।

फाइल फोटो

क्या है पंप स्टोरेज तकनीक

अभी बांगो में जो हाइड्रो पावर प्लांट है, उसमें बांध का पानी तेज गति से टरबाइन के ऊपर गिरता है। टरबाइन के घूमने से बिजली पैदा होती है, वहीं भेजा गया पानी टरबाइन से होकर नदी में बह जाता है। वहीं पंप स्टोरेज तकनीक में बदलाव यह होगा कि बांगो बांध के ऊपरी जल भराव क्षेत्र में यह प्लांट स्थापित होगा। बांध के ऊपरी क्षेत्र में स्थित पानी टरबाइन पर काइनेटिक फोर्स का उपयोग करते हुए गिरेगा और टरबाइन के घूमने से बिजली बनेगी। वहीं भेजे गए पानी को फिर से स्टोर कर लिया जाएगा। दिन के समय बांध के पानी के ऊपर स्थापित सोलर फोर्स का उपयोग करते हुए गिरेगा और टरबाइन के घूमने से बिजली बनेगी। दिन के समय बांध के पानी के ऊपर स्थापित सोलर प्लांट से बनी सस्ती बिजली का उपयोग कर पंप से पुनः पानी को ऊपरी हिस्से में भेजा जाएगा। इस तरह से पानी का उपयोग बिजली बनाने में अनेक बार हो सकेगा। इस तरह की बड़ी योजना तेलंगाना, तमिलनाडु, महाराष्ट्र व पश्चिम बंगाल में पहले से स्थापित है।

कोयले पर आधारित प्लांट के लिए राखड़ समस्या

कोयले पर आधारित पावर प्लांट के लिए राखड़ एक बड़ी समस्या है। इसकी उपयोगिता बढ़ाने के लिए अब सड़कों पर भी इसका उपयोग होने लगा है। राखड़ बांध के लिए जमीन भी नहीं मिल पा रही है। हाइडल प्लांट में यह समस्या नहीं है। प्रदूषण से भी यह मुक्त रहता है। कोयले की ढुलाई के लिए संसाधन की जरूरत पड़ती है।

दुल्हन को लेकर लौट रहा वाहन पलटा, महिला की मौत

दुर्घटनाग्रस्त वाहन एवं मौके पर उपस्थित पुलिस।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र से देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। गवना कराकर नई नवेली दुल्हन को लेकर लौट रहा एक चारपहिया वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात ग्राम कसरेंगा से दादर खुर्द की ओर जा रहा वाहन क्रमांक सीजी 11 बीजे 9084 दो नंबर डबरीपारा मोड़ के पास हादसे का शिकार हो गया। वाहन में करीब एक दर्जन लोग सवार थे, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे शामिल थे। बताया जा रहा है कि वाहन किराए पर लिया गया था और दादर के सोनपुरी गांव का है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तत्काल बांकीमोंगरा एसईसीएल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए दर्री सीएसपी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। वहीं हादसे के बाद चालक के मौके से फरार होने की बात सामने आ रही है, जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूटी और वेन में भिड़ंत, मासूम की मौत

कोरबा। पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत पाली के टावर मोहल्ले में निवासरत परमेश्वर डिक्सेना की 5 वर्षीय पुत्री आराध्या डिक्सेना की शुक्रवार शाम लगभग 7 बजे शिव मंदिर चौक पर स्कूटी और वैन के मध्य भिंड़त हो गई। जिससे मासूम गंभीर रुप से घायल हो गई। जिसके बाद आराध्या को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाली में भर्ती कराया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए बिलासपुर रेफर किया गया था।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर पंचवटी में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छग राज्य उपभोक्ता आयोग के निर्देशानुसार कोरबा जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के तत्वाधान में 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस स्थानीय पंचवटी विश्राम गृह मे मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, सभापति नूतन सिंह ठाकुर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश नाग सहित अन्य अतिथियो की उपस्थिति में मनाया गया। इसके पश्चात जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रंजना दत्ता के द्वारा उद्बोधन भाषण दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर संजू देवी राजपूत जिला पंचायत के सी.ई.ओ. दिनेश नाग, एवं सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने उपभोक्ता कानूनो के संबंध में उनके अधिकारों व हितों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन उपभोक्ता आयोग कोरबा की सदस्य सुश्री ममता दास एवं आभार प्रदर्शन उपभोक्ता आयोग कोरबा के सदस्य पंकज कुमार देवडा ने किया। इस दौरान एस.बी.आई. के टेक्निकल हेड ने बैंको में उपभोक्ताओ के साथ हो रही धोखाधड़ी से सजग रहने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सायबर थाना के आरक्षक ने उपभोक्ताओ को सायबर क्राईम के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रो में कार्यरत समाज सेवा संस्था एवं अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाली महिलाओ वरिष्ठ अधिवक्ता अरूणा जैन, कल्पना पांडेय, अरूणा श्रीवास्तव, रूचिका कल्ला, सावित्री धांधी, शिल्पा दाण्डेकर, दीपा राठौर को सम्मानित किया गया।

महुआ बीनने गए ग्रामीणों को हाथी ने दौड़ाया, एक घायल

कोरबा। वनमंडल कोरबा के केराकछार व बड़मार क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी के चलते ग्रामीणों को खतरा बना हुआ है। करतला क्षेत्र के बड़मार क्षेत्र में एक लोनर हाथी विचरण कर रहा था। शुक्रवार की सुबह गांव के ग्रामीण महुआ संग्रहण के लिए जंगल गए हुए थे तभी उनका सामना लोनर हाथी से हो गया। लोनर हाथी को देख ग्रामीणों ने भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान एक ग्रामीण गिर कर घायल हो गया। वन विभाग को सूचना मिलने पर उसके अधिकारी व कर्मचारी तत्काल मौके पर पहुंचे और ग्रामीण को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद ग्रामीण को छुट्टी दे दी। लोनर हाथी दिन भर क्षेत्र में विचरण करता रहा। शाम होने के बाद आगे का रूख करते हुए वापस छाल रेंज पहुंच गया। लोनर हाथी एक दिन पूर्व ही करतला रेंज में प्रवेश किया था और जंगल ही जंगल होते हुए बड़मार क्षेत्र में पहुंच गया था। वन विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों को जंगल ना जाने की सलाह दी गई थी लेकिन ग्रामीण वन विभाग की चेतावनी पर सलाह को नजर अंदाज कर महुआ संग्रहण के लिए बड़ी संख्या में जंगल पहुंच गए थे।

सभी प्रकार की कॉस्मेटिक सर्जरी व रीकन्सक्ट्रीव सर्जरी
कालडा हॉस्पीटल में

जबड़े, नाक, होंठ आदि के टेढ़ेपन व अन्य विकृतियों व सभी प्रकार की कॉस्मेटिक सर्जरी, रीकन्सट्रक्टीव सर्जरी, ब्रेकियल प्लैक्सेस इंजूरी (हाथ के नसों की सर्जरी)
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

हरिभूमि नं.1 आवश्यक सूचना
हरिभूमि
प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें
टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

जिला अधिवक्ता संघ का द्विवार्षिक चुनाव 12 अप्रैल को

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी के द्विवार्षिक चुनाव वर्ष 2026-28) के लिए बिगुल फूंका जा चुका है। मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार आगामी 12 अप्रैल को मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। चुनाव की समस्त कार्यवाही जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता संघ भवन में होगी। इस बार कुल 17 पदों पर चुनाव होने जा रहे हैं, जिनमें महिला प्रतिनिधित्व अपना दांव आजमाएंगी। जिला अधिवक्ता संघ में अध्यक्ष 1 पद, उपाध्यक्ष 2 पद जिसमें 1 पुरुष व 1 महिला कनिष्ठ, सचिव 1 पद, सहसचिव 2 पद जिसमें 1 पुरुष व 1 महिला कनिष्ठ शामिल हैं। इसी तरह कोषाध्यक्ष के लिए 1 पद, ग्रंथालय सचिव 1 पद, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव 2 पद, कार्यकारिणी सदस्य 7 पद जिसमें 2 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। नामांकन के लिए वकालत के अनुभव की अनिवार्य शर्तें रखी गई हैं जिनमें अध्यक्ष पद के लिए 15 वर्ष का अनुभव। उपाध्यक्ष, सचिव, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव के लिए 7 वर्ष का अनुभव। सह-सचिव, कोषाध्यक्ष, ग्रंथालय सचिव के लिए 5 वर्ष का अनुभव एवं कार्यकारिणी सदस्य के लिए 3 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है। 23 मार्च से प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। जिसके बाद सूची पर आपत्ति दर्ज कराया जाएगा। 27 मार्च को आपत्तियों का निराकरण एवं 28 मार्च को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। 29 व 30 मार्च को नामांकन फॉर्म का वितरण एवं जमा किया जाएगा।

खास बात

- कल से प्रारंभिक मतदाता सूची का होगा प्रकाशन, 17 पदों पर होगा चुनाव

आप कितने स्वस्थ हैं?
जानिएं
एक नियमित वेलनेस चेकअप आपके आज को सुरक्षित और कल को मजबूत करता है
वेलनेस गोल्ड पैकेज
₹1500/-
(20 से 40 साल की उम्र के लिए)
वेलनेस जर्नी पैकेज
₹2000/-
(40 से 60 साल की उम्र के लिए)
● प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार
● सीमित सीट
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें
9109956720
9926386660
सुयश हॉस्पिटल
कोटा-गुढ़ियारी रोड़,
होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO जेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मढ़रिया
MBBS,MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं फेको सर्जन

डॉ. एश्वर्य मढ़रिया
MBBS, MS, FVR, LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं रेटिना विशेषज्ञ
● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

07 मई, 21 मई, 04 जून 2026
(12 दिन)
सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर
नेपाल विदेश यात्रा
पशुपतिनाथ, माँ मनोकामना देवी, लुम्बिनि (भगवान बुद्ध का जन्म स्थान), पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (बूढ़ा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप)
गोरखपुर, बनारस (श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग), अयोध्या (श्रीराम जन्मभूमि), जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल)
नेपाल विदेश यात्रा के इंडिविजुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।
राशि:-स्लीपर 18,500/-, 3 एसी 28,500/-, 2 एसी 31,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411